

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY,  
AJMER

पाठ्यक्रम

# SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND  
COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCE

M.A. SANSKRIT

M.A. Previous Examination

(w.e.f. 2019-20)

M.A. Final Examination

(w.e.f. 2020-21)



**ALKA PUBLICATIONS**

Purani Mandi, Ajmer

## NOTICE

1. Change in Statutes/Ordinances/Rules/Regulations Syllabus and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change. **The decision taken by the Academic Council shall be final.**

## सूचना

1. समय-समय पर संशोधन या पुनः निर्माण कर परिणियमों/अध्यादेशों/नियमों / विनियमों / पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है, तथा किसी भी परिवर्तन को छात्र को मानना होगा बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से उनको छूट न दी हो और छात्र ने उस परिवर्तन के पूर्व वर्ष पाठ्यक्रम को पूरा न किया हो। विद्या परिषद द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।

© MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER  
Published and Printed by ALKA PUBLICATIONS, AJMER

☎ 0145-2426301

for Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer

M.D.S.U. Syllabus / M.A. Sanskrit (Prev & Final) / 3

एम. ए. संस्कृत - पूर्वार्द्ध परीक्षा

सामान्यनिर्देशः -

1. अस्यां परीक्षायां चत्वारि प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति।
2. प्रत्येकप्रश्नपत्रस्य पूर्णांकाः 100 समयश्च घण्टात्रयं निर्धारिताः सन्ति।
3. प्रश्नपत्रस्य निर्माणं संस्कृत भाषायाम् एव भविष्यति।
3. प्रत्येकस्मिन् प्रश्नपत्रे 20 प्रतिशत लघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत माध्यमेन एव लेखितव्यानि। अन्येषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजीभाषया वा देयानि।
4. संस्कृतलेखने, हिन्दीलेखने वा देयनागरीलिपि एव गान्या भविष्यति।

प्रथमप्रश्नपत्रम् - वैदिकवाङ्मयम्

समयावधिः - घण्टात्रयम्

खण्डः

विषयः

पूर्णांकाः - 100

अंकाः

- |    |   |    |
|----|---|----|
| 1. | ऋग्वेदः                                 | 20 |
| 2. | यजुर्वेदः अथर्ववेदश्च                   | 20 |
| 3. | कठोपनिषद् (प्रथमः अध्यायः)              | 20 |
| 4. | यास्कविरचितं निरुक्तम् (प्रथमः अध्यायः) | 20 |
| 5. | वैदिकवाङ्मयस्य इतिहासः                  | 20 |

प्रथमप्रश्नपत्रस्य पाठ्यक्रमः परीक्षायोजना च -

- अधोलिखितसूक्तानाम् आचार्यसायणरहित-दयानन्द-रातयलेकारादीनां भाष्याणां ज्ञानम् अपेक्षितम् अस्ति। (20)

1. ऋग्वेदः

1. अग्निसूक्तम् (1.12)

3. रुद्रसूक्तम् (2.33)

5. उपसूक्तम् (4.51)

7. वरुणसूक्तम् (7.86)

9. वाक् सूक्तम् (10.125)

(क) - ऋग्वेदस्य द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या

(ख) - एकस्य सूक्तस्य सारः

2. यजुर्वेदः अथर्ववेदश्च

(1) यजुर्वेदः - शुक्लयजुर्वेदस्य शिवसंकल्पसूक्तम् - अतमः अध्यायः (1 - 6 मन्त्राः)

(2) अथर्ववेदः - 1. मेधाजननसूक्तम् (1.1) 2. शालानिर्माणसूक्तम् (3.12)

3. राष्ट्रसमासूक्तम् (3.4) 4. उच्छिष्टब्रह्मसूक्तम् (11.7)

5. पृथिवीसूक्तम् (12.1) 1 - 15 मन्त्राः

(क) - यजुर्वेदस्य अथर्ववेदस्य च द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या

(ख) - एकस्य सूक्तस्य सारः

3. कठोपनिषद् (प्रथमः अध्यायः)

(अ) एकस्य मन्त्रस्य व्याख्या एकस्य च अनुवादः

(ब) पंचलघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि

(संस्कृतमाध्यमेन)

4. यास्कविरचितं निरुक्तम् (प्रथमः अध्यायः)

(अ) पवित्रद्वयस्य व्याख्या हिन्दीमाध्यमेन

(ब) पंचपदानां निर्वचनानि (संस्कृतमाध्यमेन)

5. वैदिकवाङ्मयस्य इतिहासः

- संहिता, ब्राह्मणग्रन्थाः, आरण्यकाः, उपनिषद् सूत्रसाहित्यं च

सहायक - ग्रन्था -

1. ऋक्सूक्त वैजयन्ती - डॉ एच.डी. बेलनकर (पूना से प्रकाशित)

2. वैदिकवाङ्मय - एक परिशीलनः ब्रज विहारी चौबे

- |  |   |
|--|---|
| 3. वैदिक स्वरबोध - ब्रज विहारी चौबे                              | 4. ऋग्भाष्य संग्रह - डॉ. देवराज चानना   |
| 5. वैदिक सलैक्शन - पीटर्सन (सीरिज 1 एवं 2)                       | 6. वैदिक स्वर मीमासा-पं. युधिष्ठिर मीमासक                                       |
| 7. ऋग्वेद भाष्य - स्वामी दयानन्द                                 | 8. ऋक् सूक्त संग्रह - डॉ. हरिदत्त शास्त्री                                      |
| 9. ऋक् सूक्त संग्रह - तारिणीशशा (प्रकाशन केन्द्र लखनऊ)           | 10. वैदिक सूक्त संग्रह-डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय (जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर) |
| 11. वैदिक रीडर - मैजडॉनल   | 12. निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर   |
| 13. न्यू वैदिक सलैक्शन - तैलंग एवं चौबे                          | 14. यजुर्वेद - जगदीश लाल शास्त्री   |
| 16. अथर्ववेद -   | 16. रुद्राष्टाध्यायी -  |
| 17. ऋक्सूक्त यैजयन्ती - डॉ. एच डी वेलणकर संशोधन भण्डल, पूना 1965 |   |
| 18. ऋक्सूक्तशती - एच डी. वेलणकर, भारतीय विद्या भवन               |   |

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - ललितसाहित्यं साहित्यशास्त्रं च

समयावधि: - घण्टात्रयम्

पूर्णांकाः - 100

खण्डः विषयः

अंकाः

- |   |    |
|---|----|
| 1. दूतकाव्यम् - कालिदासविरचितं मेघदूतम्                       | 25 |
| 2. रूपकम् - शूद्रकविरचितं मृच्छकटिकम्                         | 25 |
| 3. गद्यकाव्यम् - बाणभट्टविरचितं हर्षचरितम् (पंचमः उच्छ्वासाः) | 25 |
| 4. साहित्यशास्त्रम् - विश्वनाथविरचितं साहित्यदर्पणम्          | 25 |
- प्रथमः, द्वितीयः परिच्छेदः (सम्पूर्णः), तृतीयः परिच्छेदः (1-28 कारिकाः)

द्वितीयप्रश्नपत्रस्य पाठ्यक्रमः परीक्षायोजना च -

- |   |                              |
|---|------------------------------|
| 1. दूतकाव्यम् - कालिदासविरचितं मेघदूतम्                                 | (25)                         |
| (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या  | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरम् उत्तरम् (संस्कृतमाध्यमेन)                 | 10                           |
| 2. रूपकम् - शूद्रकविरचितं मृच्छकटिकम्                                   | (25)                         |
| (क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या  | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) पंचलघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि (संस्कृतमाध्यमेन)               | $5 \times 2 = 10$            |
| 3. गद्यकाव्यम् - बाणभट्टविरचितं हर्षचरितम् (पंचमः उच्छ्वासाः)           | (25)                         |
| (क) द्वयोः गद्यावतरणयोः व्याख्या  | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरम् उत्तरम्                                   | 10                           |
| 4. साहित्यशास्त्रम् - विश्वनाथविरचितं साहित्यदर्पणम्                    | (25)                         |
| प्रथमः, द्वितीयः परिच्छेदः (सम्पूर्णः), तृतीयः परिच्छेदः (1-28 कारिकाः) |                              |
| (क) द्वयोः कारिकयोः व्याख्या  | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) टिप्पणीद्वयम्   | 10                           |

सहायक-ग्रन्थाः

1. संस्कृत के संदेश काव्य - डॉ. रामकुमार आचार्य
2. मेघदूत एक पुरानी कहानी - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मेघदूत एक अध्ययन - वासुदेव शरण अग्रवाल
4. हर्षचरित एक अध्ययन - डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
5. प्राचीन साहित्य - कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ टैगोर
6. हर्षचरित - पी.वी. काणे
7. हर्षचरित - एम.आर. काले
8. साहित्यदर्पण - आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमला टीका)
9. मेघदूत - डॉ. अर्कनाथ चौधरी
10. मेघदूत - डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा।
11. मृच्छकटिकम् - डॉ. जयशंकर लाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

तृतीयप्रश्नपत्रम् - भारतीयदर्शनम्

समयावधि: - घण्टात्रयम्

पूर्णांकाः - 100

खण्डः विषयः

अंकाः

- |   |    |
|---|----|
| 1. सांख्यदर्शनम् - ईश्वरकृष्णविरचिता सांख्यकारिका                   | 25 |
| 2. न्यायदर्शनम् - केशवमिश्रविरचिता तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्तम्) | 30 |
| 3. वेदान्तदर्शनम् - सदानन्दविरचितः वेदान्तसारः                      | 25 |
| 4. मीमांसादर्शनम् - लौगाक्षिभारकरविरचितः अर्थसंग्रहः                | 20 |

तृतीयप्रश्नपत्रस्य पाठ्यक्रमः परीक्षायोजना च -

- |   |                              |
|---|------------------------------|
| 1. सांख्यदर्शनम् - ईश्वरकृष्णविरचिता सांख्यकारिका                   | (25)                         |
| (क) द्वयोः कारिकयोः व्याख्या  | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरम् उत्तरम् (संस्कृतमाध्यमेन)             | 10                           |
| 2. न्यायदर्शनम् - केशवमिश्रविरचिता तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्तम्) | (30)                         |
| (क) एकस्य गद्यावतरणस्य व्याख्या                                     | 8                            |
| (ख) द्वयोः कारिकयोः व्याख्या  | $2 \times 6 = 12$            |
| (ग) टिप्पणीद्वयम्   | $2 \times 5 = 10$            |
| 3. वेदान्तदर्शनम् - सदानन्दविरचितः वेदान्तसारः                      | (25)                         |
| (क) द्वयोः गद्यावतरणयोः व्याख्या                                    | $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$ |
| (ख) पंचलघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि (संस्कृतमाध्यमेन)           | $5 \times 2 = 10$            |
| 4. मीमांसादर्शनम् - लौगाक्षिभारकरविरचितः अर्थसंग्रहः                | (20)                         |
| (क) व्याख्याद्वयम्  | $2 \times 5 = 10$            |
| (ख) टिप्पणीद्वयम्   | $2 \times 5 = 10$            |

सहायक-ग्रन्थाः

1. भारतीय दर्शन - डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन - दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)
3. भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र
4. सांख्यकारिका - (1) डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी (2) डॉ. विमला कर्नाटकर
5. सांख्यतत्व कौमुदी - रमाशंकर भट्टाचार्य
6. तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर
7. तर्कभाषा - पं. यद्रीनाथ शुक्ल
8. तर्कभाषा - पं. यद्रीनाथ शुक्ल
9. तर्कभाषा - डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
10. तर्कभाषा - भूषलगांवकर
11. तर्कभाषा - डॉ. अर्कनाथ चौधरी जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
12. वेदान्तसार - डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव पीयूष प्रकाशन, 316 सुभाष नगर इलाहाबाद
13. वेदान्तसार - डॉ. शिव सागर त्रिपाठी जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
14. सांख्यकारिका - डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डे
15. अर्थसंग्रह - चौखम्भा प्रकाशनम्
16. अर्थसंग्रह - मोतीलाल बनारसीदास चतुर्थप्रश्नपत्रम् - शिक्षा, व्याकरण, भाषाविज्ञानम् च

समयः घण्टात्रयम्

पूर्णांकाः - 100

अंकविभाजनम्

खण्डः विषयः

अंकाः

- |   |      |
|---|------|
| 1. पाणिनीय - शिक्षा   | (10) |
| 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी - प्रक्रियाभागः                         | (30) |
| (प्यन्त - सन्नन्त - भावकर्म - नामघातु - प्रक्रिया)            |      |
| 3. वाक्यपदीयम् - ब्रह्मकाण्ड (भर्तृहरिविरचितम्) (1-50 कारिका) | (20) |
| 4. संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्येतिहास                             | (10) |

5. भाषा-विज्ञानम्	(30)
पाठ्यक्रम	
1. पाणिनीय-शिक्षा	10
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (सूत्रव्याख्या रूपसिद्धिश्च) - (रूपसिद्धिसंस्कृतमाध्ययेन - 20) सूत्र व्याख्या-10	30
3. वाक्यपदीयम्	20
4. संस्कृतव्याकरणशास्त्रेतिहास (पाणिनिपूर्ववैयाकरणाः पाणिनिकाल मुनित्रयं, व्याख्याकाल प्रक्रियाकालश्च)	10
5. भाषाविज्ञानम् - (अ) रूपरेखा क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति, विकासश्च, उच्चारण संस्थानम्, ध्वनय रचयज्जनानि (ब) ध्वनिपरिवर्तनस्य कारणानि दिशश्च, ध्वनिनियमा, भाषाणां वर्गीकरणम् (भारोपीय भाषा परिवार सन्दर्भ) अर्थविज्ञानम् - अर्थपरिवर्तनस्य कारणानि अर्थपरिवर्तनस्य अवरधारश्च	15 15

## सहायक-ग्रन्थाः

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - व्या भीमसेन शास्त्री	2. लघुसिद्धान्तकौमुदी-श्री धरानन्द शास्त्री
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी - डॉ. अर्कनाथ चौधरी	
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी - स. डॉ. श्री कृष्ण शर्मा एवं डॉ. दुलीचन्द्र शर्मा पी.वी.सी. पब्लिकेशन्स एवं राजस्थान पत्रिका प्रकाशन	
5. एन. इण्ड्रोडेक्शन टू कम्पेरिटिव फिलौलॉजी-गुणे (ओरिएण्टल बुक ऐजेन्सी, पूना)	
6. तुलनात्मक भाषा शास्त्र - डॉ. मंगलदेव शास्त्री	7. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
8. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन - डॉ. भोलाशंकर व्यास	9. संस्कृत का भाषा विज्ञान - डॉ. राजकिशोर सिंह
10. भाषा का इतिहास - श्री भगवद्दत्त	11. संस्कृत शास्त्रो का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
12. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला एम. ए. संस्कृत - उत्तरार्द्ध परीक्षा	

## सामान्यनिर्देशाः -

1. अस्यां परीक्षायां पञ्च प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति ।
2. प्रत्येकं प्रश्नपत्रस्य पूर्णांकाः : 100 समयश्च घण्टात्रयं निर्धारिताः सन्ति ।
3. प्रश्नपत्रस्य निर्माणं संस्कृतभाषायाम् एव भविष्यति ।
3. प्रत्येकस्मिन् प्रश्नपत्रे 20 प्रतिशत लघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन एव लेखितव्यानि ।  
अन्येषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजीभाषया वा देयानि ।
4. संस्कृतलेखने, हिन्दीलेखने वा देवनागरीलिपि एव मान्या भविष्यति ।

## वर्ग 'अ' साहित्यम्

## प्रथमप्रश्नपत्रम् - संस्कृतकाव्यशास्त्रम्

समयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्काः - 100
अंकविभाजनम्	
(क) काव्यप्रकाशः	60
(ख) ध्वन्यालोकः (प्रथमोद्योतः)	20
(ग) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथमोन्मेषः)	20

## द्वितीयप्रश्नपत्रम् - नाटकं नाट्यशास्त्रम् च

समयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्काः - 100	
अंकविभाजनम्		
खण्डः	विषयः	अङ्काः
(क) नाटकम्		60
(ख) नाट्यशास्त्रम्		40

## तृतीयप्रश्नपत्रम् - काव्यम् - गद्यं पद्यम् च

समयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्काः - 100	
अंकविभाजनम्		
खण्डः	विषयः	अङ्काः
1. गद्यकाव्यम्		20
2. पद्यकाव्यम्		60
3. निर्धारितपाठ्यग्रन्थानां समालोचना		20

## अथवा

कवि विशेषस्य अध्ययनम् - (1) भास (2) कालिदास वा  
वर्ग 'ब' वैदिकसाहित्यम्

## प्रथमप्रश्नपत्रम् - संहितापाठः

खण्डः	विषयः	अङ्काः
1. ऋग्वेदः		30
2. अथर्ववेदः		40
3. यजुर्वेदः		20
4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका		10

## द्वितीयप्रश्नपत्रम्

## ब्राह्मणग्रन्थाः उपनिषदः वैदिकग्रन्थाश्च

समयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्काः 100	
खण्डः	विषयः	अङ्काः
1. ब्राह्मणोपनिषत्साहित्यम्		55
2. निरुक्तम्		25
3. प्रातिशाख्यम्		20
		पूर्णाङ्काः 100

## तृतीयप्रश्नपत्रम्

## वैदिकधर्मस्य तुलनात्मकं विवेचनं देवशास्त्रम् च

समयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्काः 100	
खण्डः	विषयः	अङ्काः
1. वैदिकपुराणकथाशास्त्रम्		40
2. तुलनात्मकं धर्म		40
3. बृहद्देवता		20
		पूर्णाङ्काः 100

## वर्ग 'स' 'दर्शनशास्त्रम्'

प्रथमप्रश्नपत्रम् - न्यायदर्शनं वैशेषिकदर्शनञ्च 100 अंकाः  
द्वितीयप्रश्नपत्रम् - सांख्यदर्शनं योगदर्शनं मीमांसादर्शनञ्च 100 अंकाः  
तृतीयप्रश्नपत्रम् - अद्वैतवेदान्तदर्शनम् 100 अंकाः

## वर्ग 'द' 'धर्मशास्त्रम्'

प्रथमप्रश्नपत्रम् - धर्मसूत्राणि धर्मशास्त्रस्य इतिहासश्च 100 अंकाः  
द्वितीयप्रश्नपत्रम् - स्मृतिशास्त्रम् 100 अंकाः  
तृतीयप्रश्नपत्रम् - धर्मशास्त्रीयनिबंधसाहित्यं धर्मशास्त्रञ्च 100 अंकाः

वर्ग 'इ' 'व्याकरणशास्त्रम्'	
प्रथमप्रश्नपत्रम् - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	100 अंका
द्वितीयप्रश्नपत्रम् - प्रक्रिया, दर्शनञ्च	100 अंका
तृतीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणदर्शनम्	100 अंका
चतुर्थप्रश्नपत्रम् - निबन्धः, व्याकरणम्, अनुवादः व्युत्पत्तिप्रदर्शनञ्च	
1 निबन्धः	20 अंका
2 व्याकरणम्	55 अंका
3 अनुवाद	15 अंका
4 व्युत्पत्तिप्रदर्शनम्	5 अंका
5 अपठितम्	5 अंका
पूर्णाङ्का - 100	

पञ्चमप्रश्नपत्रम्  
शास्त्रीय साहित्यं, आधुनिककाव्यं, शिलालेखसाहित्यं च  
100 अङ्काः

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध  
अवधेयम् 100 अंका

1. प्रत्येक-प्रश्नपत्रे निर्धारितपाठ्यविषयाणाम् अथवा ग्रन्थानां इतिहाससम्बद्ध प्रश्नाः अपि पृष्ठव्याः येन्य परीक्षार्थीनां तत्सम्बद्धज्ञानस्य परिज्ञानं भवेत्।
2. प्रश्नपत्रानिर्माणस्य माध्यमः संस्कृते एव भविष्यति।

एम. ए. उत्तरार्द्ध - संस्कृत परीक्षा  
वर्ग 'अ' साहित्यम्

प्रथमप्रश्नपत्रम् - संस्कृतकाव्यशास्त्रम्

संमयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्का - 100
1. काव्यप्रकाशः - प्रथमद्वितीयउल्लासौ	20
2. काव्यप्रकाशः - तृतीयचतुर्थपञ्चम उल्लासाः	20
3. काव्यप्रकाशः - षष्ठसप्तमअष्टमउल्लासाः (संस्कृतमाध्यमेन) (सप्तमे उल्लासे रसदोषाः तेषां परिहारश्च)	20
4. घन्यालोक - प्रथमः उद्योतः (अभिनवगुप्तस्य लोचनटीका अपि अध्येतव्या)	20
5. वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथमोन्मेष	20

सहायक- ग्रन्थाः

1. डॉ. पी.वी. काणे - हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर
2. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा - प्रो. सुरजनदास स्वामी, प्रकाशक - नीरज शर्मा सी 82 ए रामदास मार्ग, तिलक नगर, जयपुर।
3. एस. के. डे. - संस्कृत पोइटिक्स
4. डॉ. बलदेव उपध्याय - भारतीय साहित्य शास्त्र
5. भागीरथ मिश्र - पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त
6. डॉ. त्रयम्बक देश पाण्डे - भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा
7. डॉ. विक्रमादित्य राय - काव्यसमीक्षा

8. रसालोचनम् - डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, प्राप्ति स्थल शरण पुस्तक, खूटेटा मार्ग जयपुर
9. काव्यप्रकाश - मम्मट, व्याख्या - डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
10. काव्यप्रकाश - मम्मट, व्याख्या - आचार्य विश्वेश्वर
11. घन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर।

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - नाटकं नाट्यशास्त्रं च

संमयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्का - 100
1. भवभूति - उत्तररामचरितम्	20 अंका
(अ) द्वयोः श्लोकयोः एकस्य श्लोकस्य संस्कृत व्याख्या	10
(ब) द्वयोः श्लोकयोः एकस्य श्लोकस्य हिन्दी भाषायां व्याख्या	10
2. भट्टनारायण - वेणीसंहारनाटकम्	20 अंका
(अ) द्वयोः श्लोकयोः एकस्य श्लोकस्य संस्कृत व्याख्या	10
(ब) द्वयोः श्लोकयोः एकस्य श्लोकस्य हिन्दी भाषायां व्याख्या	10
3. नाटकाभ्याम् सामान्यप्रश्ना -	10+10=20 अंका
4. भरतनाट्यशास्त्रम् - (प्रथमद्वितीयअध्यायौ) (डॉ. भोलानाथ शर्मा - साहित्य निकेतन, कानपुर)	10 अंका
5. धनञ्जय - दशरूपकम्	30 अंका

सहायक - ग्रन्थाः

1. अभिनवगुप्त - अभिनवभारती
2. कीथ - संस्कृत ड्रामा (नाटक)
3. सी. बी. गुप्त - इंडियन थियेटर
4. मनकद - टाइम्स ऑफ संस्कृत ड्रामा
5. मनमोहन घोष - भरत नाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद)
6. डॉ. रामजी उपाध्याय - दशरूपक (नान्दी टीका), संस्कृत-परिषद्, सागर विश्वविद्यालय से प्रकाशित।
7. डॉ. रामजी उपाध्याय - दशरूपकदर्शनम्, संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय से प्रकाशित
8. भरतनाट्यशास्त्रम् - डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
9. उत्तररामचरितम् सटीक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
10. नाट्यशास्त्रम् - भरतमुनिप्रणीत-व्याख्या - डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
11. संस्कृत नाटक साहित्य - डॉ. खण्डेलवाल, आगरा

तृतीयप्रश्नपत्रम् - (अ) काव्यम् - गद्यं पद्यम् च

संमयः घण्टात्रयम्	पूर्णाङ्का - 100
खण्डः	विषयः अङ्का
1. बाणभट्ट - कादम्बरी (शुककथारम्भ - वेशम्पायनस्तु स्वधभुपजातकुतूहलेन सयद्गुमानमवनिपतिना पृष्ठ तः शवरचरित्रवर्णनम् - सकलेन सैन्येनानुगम्यमान शनैः शनैरभिमतदिगन्तरभयासीत् पर्यन्तम् - अंशः पठनीयः)	20
2. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्री हर्ष	20 अंका
3. दण्डी दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छ्वासः)	20 अंका
4. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) माघ (संस्कृतमाध्यमेन)	20 अंका
5. निर्धारितपाठ्यग्रन्थेभ्यः समालोचनात्मकाः प्रश्नाः	20 अंका

## सहायक-ग्रन्थाः

1. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्गः) श्री हर्ष
2. दशकुमारचरितम्-दण्डी (अष्टम उच्छ्वास)
3. कादम्बरीकथामुखम् - डॉ कृष्णावतार वाजपेयी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. बाण और दण्डी - एक अध्ययन - डॉ सुधीर कुमार गुप्त गोपालपुरा रोड, जयपुर
5. कादम्बरी - एक अध्ययन - वासुदेव शरण अग्रवाल
6. शिशुपालवधम् प्रथम सर्गः माघ

अथवा

## तृतीयप्रश्नपत्रम् - (ब)

एकस्य कवेः विशेषाध्ययनम् - कालिदासः भासः वा

## कालिदासः-

- |  |         |
|--|---------|
| 1. व्याख्या  | 55 अंका |
| 2. सामान्यप्रश्नाः   | 45 अंका |
| 1. व्याख्या -  |         |
| (अ) गीतिकाव्यम् - ऋतुसंहारः (एकस्य श्लोकस्य व्याख्या)                        | 10 अंका |
| (ब) नाटकम् - (i) विक्रमोर्वशीयम् (एकस्य श्लोकस्य व्याख्या)                   |         |
| (संस्कृतमाध्यमेन)  | 10 अंका |
| (ii) मालविकाग्निमित्रम् (एकस्य श्लोकस्य व्याख्या)                            |         |
| (संस्कृतमाध्यमेन)  | 10 अंका |
| 2. महाकाव्यम् - (i) रघुवशम् (1,5,13 सर्गा)                                   |         |
| (ii) कुमारसम्भवम् (1,3,5 सर्गा)  | 25 अंका |
| प्रत्येकमहाकाव्यतः न्यूनातिन्यूनम् एका व्याख्या। तिस्रः व्याख्या प्रष्टव्याः |         |
| 3. सामान्यप्रश्नाः - स्थितिकालजन्मस्थानरचनाविषयकं, कालिदाससकाले              |         |
| धार्मिकीसामाजिकीराजनीतिकी संस्कृतिकी च स्थितिष्वियकः कालविषयकं               |         |
| च ज्ञानम्।   | 15 अंका |
| 4. कालिदासनाटकेषु नाट्यकला (वस्तु, नेता, रसश्च)                              | 20 अंका |
| 5. कालिदासरचितगीतिकाव्ययो महाकाव्ययो च साहित्यशास्त्रीया समीक्षा।            |         |
| (सौन्दर्यवर्णनम्, ऋतुवर्णनम्, प्रकृतिवर्णनम्, रसालङ्कारादयः)                 | 10 अंका |

अथवा

भासः

- |  |         |
|--|---------|
| 1. व्याख्या                                      | 55 अंका |
| 2. सामान्यप्रश्नाः                               | 45 अंका |
| व्याख्या -                                       |         |
| 1. (अ) प्रतिमानाटकम् बालचरितम् (संस्कृतमाध्यमेन) | 20 अंका |
| (ब) पञ्चरात्रम्, उरुभङ्गम्, अविभारकम्            | 15 अंका |
| 2. दूतवाक्यम्, कर्णभारम्, प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्  | 20 अंका |

## सामान्यप्रश्नाः

3. भासस्य जन्मस्थानम्, समयनिर्धारणम्, भासनाटकचक्रस्य नाटककारस्य समस्यविषयक प्रश्नम्, महाभारताश्रितानां कृष्णाश्रितानां च रूपकाणां समीक्षा (वस्तुनेतारसश्च) 15
4. लोककथाश्रितानां उदयनकथाश्रितानां च नाटकानां समीक्षा (वस्तुनेतारसश्च) 20

5. भासस्य नाट्यशैली अलङ्कारयोजना, प्रकृतिचित्रण तात्कालिकी सामाजिकी स्थिति सुभाषितानि, भासस्य प्रभावश्च। 10

## वर्ग 'ब' वैदिकसाहित्यम्

## प्रथमप्रश्नपत्रम् - संहितापाठः

संभयः घण्टात्रयम्

अंकविभाजनम्

पूर्णाङ्का - 100

खण्डः विषयः

- |   |                                 |
|---|---------------------------------|
| 1. ऋग्वेद - सप्तममण्डले (1 - 10 सूक्तानि)   | अङ्का                           |
| 2. अथर्ववेद - अधोलिखितानि सूक्तानि  | 30                              |
| काण्ड   | सूक्तानि                        |
| 1   | 5,6,14                          |
| 2   | 28,33                           |
| 3   | 12,16,17,30                     |
| 4   | 30                              |
| 8   | 9                               |
| 9   | 9 (1 - 14 मन्त्रा, अस्यवामस्या) |
| 11  | 4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)        |
| 19  | 52,53                           |
| 3. वाजसनेयि - संहिता अध्याया 1,32,36 (संस्कृतमाध्यमेन)                              | 20                              |
| वेदमन्त्राणां सन्दर्भ सायण - कपालीशास्त्री - दयानन्द-उद्यट-आदीनां भाष्याणां-मध्ययनं |                                 |
| आधुनिकार्थानामध्ययनं चापि अपेक्षितम्।   |                                 |
| 4. सायणकृतऋग्वेदभाष्यभूमिका ग्रन्थात् - ऋग्भाष्यभूमिका                              | 10                              |
| सहायक-ग्रन्थाः  |                                 |
| 1. वैदिक व्याकरण - डॉ रामगोपाल (दो भाग) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली             |                                 |
| 2. श्री राम गोविन्द त्रिवेदी - वैदिक साहित्य, भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड, काशी   |                                 |
| 3. मॅकडोनेल - ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टूडेन्ट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ सत्यव्रत)            |                                 |
| 4. युधिष्ठिर मीमांसक - वैदिक स्वर मीमांसा   |                                 |
| 5. दयानन्द - ऋग्वेदभाष्यभूमिका  |                                 |
| 6. गोविन्दलाल वंशीलाल व रुद्रमिश्र शास्त्री - वैदिक व्याकरण भास्कर 32 सी, चैम्बर्स  |                                 |
| दिनशावागछा रोड मुम्बई   |                                 |
| 7. डॉ मंगलदेव शास्त्री - भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ      |                                 |
| प्रकाशन, 620/21, नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली-6                                       |                                 |
| 8. टी कपाली शास्त्री - ऋग्भाष्यभूमिका   |                                 |

## द्वितीयप्रश्नपत्रम् - ब्राह्मणग्रन्थाः उपनिषदः वैदिकसहायकग्रन्थाश्च

संभयः घण्टात्रयम्

पूर्णाङ्का - 100

1. ऐतरेयब्राह्मणम् - प्रथमपञ्जिका (प्रथमद्वितीयध्यायौ) (संस्कृतमाध्यमेन) 20
2. शतपथब्राह्मणम् - माध्यन्दिनकाण्ड 1 अध्याय 1 20
3. यास्कनिरुक्तम् 2,7,10 अध्यायाः 25
4. ऋगप्रतिशाख्यम् - 1,2,3 20
5. कात्यायन श्रौतसूत्रम् - प्रथमोऽध्याय प्रथमद्वितीयकण्डके 07
6. छान्दोग्योपनिषद् - प्रथम अध्यायः 08

## सहायकग्रन्थाः

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा - एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ - रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ द वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेदप्रातिशाख्य - डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा
4. निरुक्तमीमांसा - शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाऊस, सी. के. 31/10 नेपाली खपड़ा, पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. Dr. Fath singh & The Vedic Etymology

## तृतीयप्रश्नपत्रम् - वैदिकधर्मस्य तुलनात्मकविवेचनं देवशास्त्रम् च

संभयः घण्टात्रयम् पूर्णाङ्काः - 100

1. वैदिक पुराकथा-शास्त्रम् 40
2. तुलनात्मक धर्म 40
3. वृहददेवता (संस्कृतमाध्यमेन) 20

## सहायक - ग्रन्थाः

1. देशमुख - ओरिजन एण्ड डवलपमेण्ट ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर
2. कीथ- रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ द वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 1 से 15 तक)
3. मैकडॉनल - वैदिक माइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद - फाउण्टेन हैड ऑफ रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश - (सौवर प्रकरण) वैदिक पुरतंकालय, अजमेर
6. दयानन्द - सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक), वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
7. मैक्समूलर - पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ, इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी आदर्श हिन्दी पुस्तकालय, 4/9, अहिल्यापुर, इलाहबाद
8. मैक्समूलर - दी साइंस ऑफ लैंग्वेज
9. वैदिक देवता - उदभव एवं विकास (दो खण्ड), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

## वर्ग 'स' दर्शनशास्त्रम्

## प्रथमप्रश्नपत्रम् - न्यायदर्शनं वैशेषिकदर्शनम् च

संभयः घण्टात्रयम् पूर्णाङ्काः - 100

1. न्यायसूत्रम् (वात्स्यायनभाष्य सहितम्) प्रथमोऽध्यायः 20
2. प्रशस्तपादभाष्यम् (प्रारम्भतः बुद्धिनिरूपणपर्यन्तम्) (संस्कृतमाध्यमेन) 20
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्डः) 20
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्डः) 30
5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्डः) 10

## सहायक ग्रन्थाः

1. शास्त्री धर्मेन्द्र नाथ - (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) मोतीलाल बनारसीदास
2. शास्त्री दयाशंकर - (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड), सुरभारती प्रकाशन बालाजी मार्केट, कानपुर
3. डा. दुर्गाधर - (अनु) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित) डॉ. सम्पूर्णानन्द, संस्कृत वि.वि. वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण वैशेषिक दर्शन - एक अध्यायन

5. ठक्कुर, अनन्तलाल - (स) न्यायदर्शनम् (प्रथमाध्यायत्मक प्रथम भाग) मिथिला, विद्यापीठ, दरभंगा विहार।
6. मिश्र, सच्चिदानन्द - (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
7. शास्त्री श्रीनिवास - (व्या.) प्रशस्तपादभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ-2

## द्वितीयप्रश्नपत्रम् - सांख्यदर्शनं योगदर्शनं मीमांसादर्शनम् च

- संभयः घण्टात्रयम् पूर्णाङ्काः - 100
1. सांख्यकारिका (सांख्यतत्वकौमुदीसहिता) (1-30 कारिका) (संस्कृतमाध्यमेन) 20
  2. योगसूत्रम् (समाधिपादः) व्यासभाष्य - तत्त्ववैशारदीसहितम् 20
  3. योगसूत्रम् (साधनपादः) 30
  4. जैमिनिसूत्रम् शाबरभाष्यम् (तर्कपाद) 30

## सहायकग्रन्थाः

1. सांख्यतत्वकौमुदी - (व्या) डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यतत्वकौमुदी - (व्या) डॉ. रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्वकौमुदी - (व्या) गजानन शास्त्री मुसलगावकर
4. सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र

## तृतीयप्रश्नपत्रम् - अद्वैतवेदान्तदर्शनम्

- संभयः घण्टात्रयम् पूर्णाङ्काः - 100
1. ब्रह्मसूत्रम् - चतुः सूत्री (शांकरभाष्यसहितम्) 40
  2. ब्रह्मसूत्रम् - द्वितीयअध्यायस्य द्वितीय पादः (शांकरभाष्यसहितम्) 40
  3. वेदान्तपरिभाषा (प्रत्यक्षपरिच्छेदः) (संस्कृतमाध्यमेन) 20

## सहायक-ग्रन्थाः

1. ब्रह्मसूत्रम् - चतुः सूत्री (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्रम् - चतुः सूत्री (व्या.) कामेश्वर मिश्र
3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित), गीता प्रेस, गोरखपुर, उ.प्र.
4. Mandukya Karika & English translation and notes by R.d. Karmakar. Bhandarkar Oriental research Institute, Poona
5. Arthasangrah 7 English translation and notes by A.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmakar, Motilal Banarsidas, Delhi.
6. भामती - एक अध्यायन - डॉ. ईश्वरसिंह
7. Vdanta Explained (Volume-I) V.H. Date, Bookseller, Publishing Co. V.P. Road, Bombay.
8. अद्वैत वेदान्त मे आभासवाद - डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना

## वर्ग 'द' धर्मशास्त्रम्

## प्रथमप्रश्नपत्रम् - धर्मसूत्राणि धर्मशास्त्रस्य इतिहासश्च

- संभयः घण्टात्रयम् पूर्णाङ्काः - 100
1. गौतमधर्मसूत्राणि (सम्पूर्णम्) (प्रथमप्रश्नपर्यन्त) 70
  2. धर्मशास्त्रस्य इतिहासः डॉ. पी. वी. काणे (संस्कृतमाध्यमेन) (प्रथमः भागः - सूत्रस्मृतिनिबन्धकाराणाम् इतिहासमात्रम्) 30

सहायक - ग्रन्थाः

1. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग) - अनुवादक - अर्जुन चौधे कश्चप उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

**द्वितीयप्रश्नपत्रम् - स्मृतिशास्त्रम्**

समय: घण्टात्रयम् पूर्णाङ्क - 100

1. मनुस्मृति (2-6 अध्यायाः) 40
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय) (संस्कृतमाध्यमेन) 20
3. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यावहाराध्यायः दायभागमात्रम्) 20
4. विश्वेश्वरस्मृति (राजस्थान संस्कृत - अकादमी प्रकाशन, जयपुर) 20

**तृतीयप्रश्नपत्रम् - धर्मशास्त्रीयनिबन्धसाहित्यं धर्मशास्त्रम् च**

समय: घण्टात्रयम् पूर्णाङ्क - 100

1. धर्मसिन्धु काशीनाथउपाध्याय (प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ) 60
2. याज्ञवल्क्यस्मृति: (व्यवहाराध्याय) प्रथमसप्तप्रकरणानां सामान्यज्ञानम् 20
3. याज्ञवल्क्यस्मृति: (प्रायश्चित्ताध्याय) (संस्कृतमाध्यमेन) 20

सहायक-ग्रन्थाः

1. याज्ञवल्क्यस्मृति: (सम्पूर्ण)

**वर्ग 'इ' 'व्याकरणशास्त्रम्'**

**प्रथमप्रश्नपत्रम् - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**

समय: घण्टात्रयम् पूर्णाङ्क - 100

1. सिद्धान्तकौमुदी - संज्ञा, परिभाषा, सन्धिप्रकरणं च 40
2. सिद्धान्तकौमुदी - सुबन्तप्रकरणम् (संस्कृतमाध्यमेन) 20
3. सिद्धान्तकौमुदी - भ्वादिगणः (पङ्क्त्यर्थं त्यक्त्वा) 20
4. सिद्धान्तकौमुदी - अदादिगणतः चुरादिगणपर्यन्तम् (पङ्क्त्यर्थं त्यक्त्वा) 20

सहायक-ग्रन्थाः

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - बालमनोरमा - हिन्दी व्याख्या सहित, गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - बालमनोरमा - तत्त्वबोधिनी टीकाद्वयोपेता
3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - बालमनोरमा - लक्ष्मीटीका - सभापति शर्मा

**द्वितीयप्रश्नपत्रम् - प्रक्रिया, दर्शनम् च**

समय: घण्टात्रयम् पूर्णाङ्क - 100

1. सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभावसमासप्रकरणं तत्पुरुषसमासप्रकरणञ्च) 20
2. सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहिसमासप्रकरणतः अलुक्समासप्रकरणपर्यन्तम्) 20
3. सिद्धान्तकौमुदी (आत्मनेपद परस्मैपदञ्च) 20
4. महाभाष्यम् (प्रथमाह्निकम्) पास्पशाह्निक - प्रदीपउद्योतसहितम् (संस्कृतमाध्यमेन) 20
5. महाभाष्यम् (द्वितीयाह्निकम्) प्रत्याहारह्निक - प्रदीपउद्योतसहितम् 20

सहायक-ग्रन्थाः

1. महाभाष्यम् - प्रदीपउद्योतटीका
2. महाभाष्यम् - युधिष्ठिर भीमांसक
3. महाभाष्यम् - प्रदीपउद्योतछायाटीका सहितम् - पायगुण्डे

तृतीयप्रश्नपत्रम् - व्याकरणदर्शनम्

समय: घण्टात्रयम्

1. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्) स्वोपज्ञाटीका सहितम् (1-43 कारिका) (संस्कृतमाध्यमेन) पूर्णाङ्क - 100
2. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्) स्वोपज्ञाटीका सहितम् (44-106 कारिका) 20
3. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्) स्वोपज्ञाटीका सहितम् (107-156 कारिका) 20
4. वैयाकरणभूषणसारः (धातुर्थनिरूपणं लकारार्थश्च) 20
5. वैयाकरणभूषणसारः (स्फोटनिर्णयः) 20

सहायक-ग्रन्थाः 1. वाक्यपदीयम् - शिवशंकर अवस्थी 2. वाक्यपदीयम् - वामदेव आचार्य

3. वाक्यपदीयम् - पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् - अनु के ए सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार-भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार - ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार - गोपाल शास्त्री
8. वैयाकरणभूषणसार - पं. श्यामाचरण त्रिपाठी
9. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)
10. वैयाकरणभूषणसार (कौण्डभट्ट)

सर्वेषां वर्गाणां कृते अनिवार्यम्  
चतुर्थप्रश्नपत्रम् - निबन्धाः, व्याकरणम् अनुवादः व्युत्पत्तिप्रदर्शनं च  
समयावधिः - घण्टात्रयम् पूर्णाङ्कः - 100

1. संस्कृत निबन्धः अंकाः 20
2. व्याकरणम् 65

- (क) सिद्धान्तकौमुदी - कारकप्रकरणम् 15
- (ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी - कृदन्तप्रकरणम् 15
- (ग) लघुसिद्धान्तकौमुदी - स्त्रीप्रत्ययाः 10
- (घ) लघुसिद्धान्तकौमुदी - समासप्रकरणम् 15
- (ङ) लघुसिद्धान्तकौमुदी-तद्धित प्रकरणम् अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चातुरर्थिकप्रकरणं च 10
3. अनुवादः 10
4. व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् 5

चतुर्थप्रश्नपत्रस्य पाठ्यक्रमः परीक्षायोजना च -

1. संस्कृतनिबन्धः (20)  
- वैदिकसाहित्यं, तलितसाहित्यं, भारतीयदर्शनं, धर्मशास्त्रम् आधुनिकसंस्कृतसाहित्यं च इत्येतेषु वर्गेषु नूनातिनूनं निबन्धद्वयं प्रष्टव्यम्। येषु छात्राः यथेष्टम् एकं विषयमधिकृत्य संस्कृतनिबन्धः लेखिष्यन्ति।
2. व्याकरणम् (65)

- (क) सिद्धान्तकौमुदी - कारकप्रकरणम् 15  
(1) त्रयाणां सूत्राणां सोदाहरणं व्याख्या  $3 \times 3 = 9$   
(2) रेखांकितपदे सूत्रनिर्देशपूर्वकं विभक्तिकथनम्  $2 \times 3 = 6$
- (ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी - कृदन्तप्रकरणम् 15  
(1) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या  $2 \times 3 = 6$   
(2) रूपसिद्धिः  $3 \times 3 = 9$
- (ग) लघुसिद्धान्तकौमुदी - स्त्रीप्रत्ययाः 10  
(1) रूपसिद्धिः  $4 \times 2\frac{1}{2} = 10$
- (घ) लघुसिद्धान्तकौमुदी - समासप्रकरणम् 15  
(1) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या  $2 \times 3 = 6$   
(2) रूपसिद्धिः  $3 \times 3 = 9$
- (ङ) लघुसिद्धान्तकौमुदी - तद्धित प्रकरणम् अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चातुरर्थिकप्रकरणं च 10  
(1) रूपसिद्धिः  $4 \times 2\frac{1}{2} = 10$

3. अनुवादः 10  
- एकस्य गद्यावतरणस्य संस्कृतभाषायाम् अनुवादः (10)
4. व्युत्पत्तिप्रदर्शनम्



16 / M.D.S.U. Syllabus / M.A. Sanskrit (Prev & Final)

- पठितव्याकरणस्य आधारेण व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् अशुद्धिसशोधनं वा  
सहायक -ग्रन्थाः 1. डॉ. मंगलदेव शास्त्री - प्रबन्धकाश, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद  
2. हरिकेश भट्टाचार्य - प्रबन्धमंजरी 3. डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल - प्रबन्धरत्नाकर  
4. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी संस्कृत निबन्धशतकम्, शारदा, नई सडक, दिल्ली  
5. पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी - निबन्धमंजरी, शारदा, नई सडक, दिल्ली  
6. वी.एस. आस्टे - संस्कृतनिबन्धपथप्रदर्शक 7. हंसराज अग्रवाल - प्रबन्धप्रदीप  
8. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी - प्रौढरचनानुवादकौमुदी  
9. चारुदेव शास्त्री - शब्दविवेक (पठित व्याकरण पर आधारित व्युत्पत्ति के लिए सहायक ग्रन्थ)  
10. डॉ. यादुराम त्रिपाठी - संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा  
11. डॉ. श्रीनिवास शास्त्री - एम. ए. संस्कृत व्याकरण, साहित्य भण्डार, मेरठ  
12. माधवाचार्य - माधवीयघातुवति  
13. डॉ. नारायण शास्त्री काकर, व्याकरणसाहित्यप्रकाश, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर  
14. संस्कृत निबन्ध नवनीतम् डॉ. द्विवेदी एवं चतुर्वेदी, श्री राम मेहरा, आगरा  
15. श्री मोहन वल्लभ पन्त, कारकदीपिका, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रयाग पत्रिका:  
16. सागरिका प्रधान संपादक डॉ. राधा वल्लभ त्रिपाठी, सागरिका समिति, सागर  
17. संस्कृत प्रतिमा साहित्य अकादमी नई दिल्ली  
18. सारस्वत सुषमा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी  
19. भारती (मासिक) भारती कार्यालय, न्यू कॉलोनी, जाजू अस्पताल के सामने, जयपुर  
20. स्वरमंगला, राजस्थान संस्कृत अकादमी, सी-स्कीम, जयपुर  
पंचमप्रश्नपत्रम् - शास्त्रीयसाहित्यम्, आधुनिककाव्यं शिलालेखसाहित्यं च  
समयावधि: - घण्टात्रयम् पूर्णांकाः - 100

खण्डः	विषयः	अंकाः
1.	पातंजलमहाभाष्यम् (पस्पशाहिनकम्)	20
2.	कौटिल्य-अर्थशास्त्रम् (प्रथमाध्यायः, प्रथमम् अधिकरणम्)	20
3.	राजशेखरविरचिता काव्यमीमांसा (1-5 अध्यायाः)	20
4.	अम्बिकादत्तव्यासविरचितं शिवराजविजयम् (प्रथमः निःश्वासः)	20
5.	अभिलेखमाला	
	1. रुद्रदामन गिरनार अभिलेखः 2. महरोली अभिलेखः 3. समुद्रगुप्तस्य प्रयागप्रशस्तिः	
	पंचमप्रश्नपत्रस्य पाठ्यक्रमः परीक्षायोजना च -	
1.	पातंजलमहाभाष्यम् (पस्पशाहिनकम्)	(20)
	(1) व्याख्याद्वयम्	2 × 5 = 10
	(2) टिप्पणीद्वयम्	2 × 5 = 10
2.	कौटिल्य-अर्थशास्त्रम् (प्रथमाध्यायः, प्रथमम् अधिकरणम्)	(20)
	(1) व्याख्याद्वयम्	2 × 5 = 10
	(2) पंचलघूत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तराणि (संस्कृतमाध्यमेन)	5 × 2 = 10
3.	राजशेखरविरचिता काव्यमीमांसा (1-5 अध्यायाः)	(20)
	(1.) एकस्य पद्यस्य व्याख्या (संस्कृतमाध्यमेन)	10
	(2.) टिप्पणीद्वयम्	2 × 5 = 10
4.	अम्बिकादत्तव्यासविरचितं शिवराजविजयम् (प्रथमः निःश्वासः)	(20)
	(1.) एकस्य गद्यांशस्य व्याख्या एकस्य च अनुवादः	2 × 6 = 12
	(2.) एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरम् उत्तरम्	8
5.	अभिलेखमाला	(20)
	1. रुद्रदामन गिरनार अभिलेखः 2. महरोली अभिलेखः 3. समुद्रगुप्तस्य प्रयागप्रशस्तिः	
	(1.) व्याख्याद्वयम्	2 × 5 = 10
	(2.) एकस्य प्रश्नस्य सविस्तरम् उत्तरम्	10

- सहायकग्रन्थाः - 1. कौटिल्य अर्थशास्त्र - पं. उदयवीरशास्त्री ।  
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र - डॉ. वाचस्पति गैरोला । 3. काव्यमीमांसा - केदारनाथ शर्मा ।  
4. काव्यमीमांसा - डॉ. रमाकान्त पाण्डेय । 5. अभिलेखमाला - आ एवं ज्ञा ।